



भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग



प्रेस विज्ञप्ति

तारीख: 15 मार्च, 2026

जारी करने का समय: 1530 घंटे

- विषय: (i) 15 मार्च को असम में अलग-अलग स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा, और 16 और 17 मार्च को भारी वर्षा होने की संभावना है। अरुणाचल प्रदेश में भी 15 से 17 मार्च के दौरान और मिजोरम में 15 मार्च को अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा होने की संभावना है।
- (ii) पश्चिमी हिमालय क्षेत्र और उससे सटे मैदानी इलाकों में 15 मार्च को भी अलग-अलग स्थानों पर गरज, बिजली और तेज हवाओं के साथ ओलावृष्टि जारी रहने की संभावना है।
- (iii) पूर्वी और उससे सटे मध्य भारत में भी 16 से 19 मार्च के दौरान अलग-अलग स्थानों पर गरज के साथ तेज हवाओं की संभावना है, जिसकी चरम तीव्रता 16 मार्च, 2026 को होने की संभावना है।
- (iv) एक नए पश्चिमी विक्षोभ के कारण 18 मार्च से पश्चिमी हिमालय क्षेत्र और उससे सटे मैदानी इलाकों में बारिश/गरज, बिजली और तेज हवाओं के साथ ओलावृष्टि होने की संभावना है।

आज, 15 मार्च, 2026 को सुबह 0830 बजे (भारतीय समयानुसार) तक पिछले 24 घंटों के दौरान दर्ज मौसम:

- विदर्भ और उत्तर-पश्चिमी ओडिशा के कुछ स्थानों पर उष्ण लहर की स्थिति बनी रही।
- असम के कुछ स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा (7-20 सेमी) दर्ज की गई है।
- अरुणाचल प्रदेश के कुछ स्थानों पर भारी वर्षा (7-11 सेमी) दर्ज की गई है।
- असम और मिजोरम के कुछ स्थानों पर ओलावृष्टि की सूचना मिली है।

पिछले 24 घंटों में तापमान की स्थिति (सुबह 0830 बजे IST तक):

- दक्षिण-पश्चिम राजस्थान, उत्तरी गुजरात, उत्तरी आंतरिक महाराष्ट्र, दक्षिण-पश्चिम मध्य प्रदेश, दक्षिणी छत्तीसगढ़, उत्तर-पश्चिम ओडिशा, उत्तरी तेलंगाना, रायलसीमा, उत्तरी तमिलनाडु, दक्षिणी और पश्चिमी झारखंड के कुछ इलाकों में अधिकतम दैनिक तापमान 38-41 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा; राजस्थान, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र के शेष भागों (पहाड़ी क्षेत्रों और दक्षिणी कोंकण को छोड़कर) में 35-38 डिग्री सेल्सियस रहा; दक्षिणी उत्तर प्रदेश, गुजरात, झारखंड, गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, आंतरिक कर्नाटक, केरल, आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु के कई इलाकों में भी यही स्थिति रही। कल, अकोला (विदर्भ) में अधिकतम तापमान 41.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।
- हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर, गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, उत्तरी ओडिशा, झारखंड और विदर्भ के कई स्थानों पर अधिकतम दैनिक तापमान सामान्य से काफी अधिक (5.1 डिग्री सेल्सियस या उससे अधिक) रहा। दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत को छोड़कर, जहां न्यूनतम तापमान सामान्य के करीब था और उत्तरपूर्वी भारत को छोड़कर, जहां यह सामान्य से काफी नीचे (-5.1°C या उससे कम) था, देश के शेष भागों में न्यूनतम तापमान सामान्य से काफी अधिक (3.1°C से 5.0°C) रहा।
- पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, मध्य महाराष्ट्र, सिक्किम, असम और मेघालय, त्रिपुरा और दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में न्यूनतम/रात्रि का तापमान 14-18 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा। बिहार, गंगा के

मैदानी पश्चिम बंगाल, कोंकण और गोवा, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, केरल और माहे, तमिलनाडु, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह और लक्षद्वीप को छोड़कर, देश के शेष मैदानी भागों में न्यूनतम तापमान 18-22 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा, जहां यह 22-27 डिग्री सेल्सियस के बीच था। आज, भारत के मैदानी क्षेत्रों में सबसे कम न्यूनतम तापमान 10.3 डिग्री सेल्सियस अलवार (राजस्थान) में दर्ज किया गया।

- राजस्थान और बिहार में न्यूनतम/रात्रि का तापमान सामान्य से काफी अधिक (5.1°C या उससे अधिक) रहा; जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, उत्तराखंड, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली, उत्तर प्रदेश, गुजरात क्षेत्र, गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल में सामान्य से काफी अधिक (3.1°C से 5.0°C) रहा; मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, ओडिशा, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, असम और मेघालय, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में सामान्य से अधिक (1.6°C से 3.0°C) रहा और देश के शेष भागों में सामान्य के करीब रहा।

मौसम प्रणालियां, पूर्वानुमान एवं चेतावनियां (अनुलग्नक I एवं II देखें):

- पश्चिमी विक्षोभ, एक ऊपरी चक्रवाती परिसंचरण के रूप में, उत्तरी पंजाब और आसपास के क्षेत्रों में निचले क्षोभमंडलीय स्तरों पर स्थित है, जबकि मध्य और ऊपरी स्तर की पछुआ हवाओं के साथ बना गर्त लगभग 70° पूर्व देशांतर के अनुदिश 25° उत्तर अक्षांश के उत्तर में बहता है।
- एक ऊपरी चक्रवाती परिसंचरण पूर्वोत्तर असम और आसपास के क्षेत्रों में निचले क्षोभमंडलीय स्तरों पर स्थित है।
- एक ऊपरी चक्रवाती परिसंचरण दक्षिणी हरियाणा और आसपास के क्षेत्रों में निचले क्षोभमंडलीय स्तरों पर स्थित है।
- निचले और मध्य स्तर की पछुआ हवाओं में बना गर्त लगभग 93° पूर्व देशांतर के अनुदिश 22° उत्तर अक्षांश के उत्तर में बहता है।
- एक गर्त मराठवाड़ा से उत्तरी आंतरिक तमिलनाडु तक निचले क्षोभमंडलीय स्तरों पर फैला हुआ है।
- एक अन्य गर्त दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी से उत्तरी श्रीलंका तट के पास से कोमोरियाई क्षेत्र तक निचले क्षोभमंडलीय स्तरों पर फैला हुआ है।
- पश्चिमी भारत में उपोष्णकटिबंधीय पछुआ जेट स्ट्रीम चल रही है, जिसकी मुख्य हवाएँ समुद्र तल से 12.6 किमी ऊपर लगभग 115 समुद्री मील प्रति घंटे की गति से बह रही हैं।
- मध्य क्षोभमंडलीय पछुआ हवाओं में एक गर्त के रूप में पश्चिमी विक्षोभ लगभग 60° पूर्व देशांतर के अनुदिश 32° उत्तर अक्षांश के उत्तर में स्थित है।
- 17 मार्च, 2026 की रात से उत्तर-पश्चिमी भारत में एक नए पश्चिमी विक्षोभ के आने की संभावना है।

उपरोक्त प्रणालियों के प्रभाव से संभावित मौसम:

उत्तर-पश्चिम भारत:

- 15 से 21 मार्च के दौरान पश्चिमी हिमालय क्षेत्र में छिटपुट से लेकर व्यापक स्तर पर हल्की वर्षा/बर्फबारी की संभावना है।
- 15 और 19 मार्च को जम्मू-कश्मीर-लद्दाख और हिमाचल प्रदेश में गरज, बिजली और तूफानी हवाएं (40-50 किमी प्रति घंटा से 60 किमी प्रति घंटा तक) चलने के साथ ओलावृष्टि की संभावना है; 15 मार्च को हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली, उत्तर प्रदेश और पंजाब में; 16 मार्च को पूर्वी उत्तर प्रदेश में और 15 और 16 मार्च को उत्तराखंड में गरज, बिजली और तूफानी हवाएं (50-60 किमी प्रति घंटा से 70 किमी प्रति घंटा तक) चलने के साथ ओलावृष्टि की संभावना है।
- 16, 18 और 20 मार्च को जम्मू-कश्मीर-लद्दाख में गरज, बिजली और तूफानी हवाएं (40-50 किमी प्रति घंटा से 60 किमी प्रति घंटा तक) चलने की संभावना है; 16 और 18 मार्च को हिमाचल प्रदेश में; 18 और 19 मार्च को उत्तराखंड में। 19 मार्च को हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली और पंजाब में; 19 मार्च को पश्चिमी उत्तर प्रदेश में; 16 मार्च को पूर्वी उत्तर प्रदेश में; 15 मार्च को पश्चिमी राजस्थान में गरज के साथ बारिश, बिजली गिरने और 30-40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना है। 16 और 20 मार्च को हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली और पंजाब में; 16 और 20 मार्च

को पश्चिमी उत्तर प्रदेश में; 18 से 21 मार्च के दौरान पश्चिमी राजस्थान में; 15 और 19 से 21 मार्च के दौरान पूर्वी राजस्थान में भी यही स्थिति रहेगी।

- 15 मार्च को जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फरबाद में छिटपुट भारी बारिश/बर्फबारी की प्रबल संभावना है।

पूर्वोत्तर भारत:

- अगले 5-6 दिनों के दौरान अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय में गरज और बिजली के साथ हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। 15 मार्च को नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में भी बारिश हो सकती है। 15 से 16 मार्च के दौरान अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय में तथा 15 से 17 मार्च के दौरान नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में तेज हवाएं (30-50 किमी प्रति घंटा) चल सकती हैं।
- 15 से 17 मार्च के दौरान अरुणाचल प्रदेश में छिटपुट भारी बारिश/बर्फबारी की प्रबल संभावना है।
- 15 से 17 मार्च के दौरान असम और मेघालय में छिटपुट भारी बारिश होने की प्रबल संभावना है। 15 मार्च को असम में तथा 15 मार्च को नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में भारी से बहुत भारी बारिश हो सकती है।

पूर्वी और मध्य भारत:

- उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 15 से 17 और 20, 21 मार्च के दौरान छिटपुट से लेकर व्यापक स्तर पर हल्की/मध्यम वर्षा, गरज, बिजली और 30-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना है।
- पश्चिम मध्य प्रदेश में 15, 18 और 19 मार्च को; पूर्वी मध्य प्रदेश में 18 और 19 मार्च को; विदर्भ में 16 से 20 मार्च तक; छत्तीसगढ़ में 15 से 20 मार्च तक; झारखंड में 15 से 19 मार्च तक; गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल में 15 से 17 और 20, 21 मार्च तक; बिहार में 15 से 19 मार्च तक और ओडिशा में 15 से 19 मार्च तक छिटपुट से लेकर छिटपुट हल्की/मध्यम वर्षा, गरज, बिजली और 30-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना है। 16 मार्च को गंगा के मैदानी पश्चिमी बंगाल, ओडिशा और झारखंड में आंधी, बिजली और तूफानी हवाएं (50-60 किमी प्रति घंटा से लेकर 70 किमी प्रति घंटा तक) चलने की संभावना है, साथ ही ओलावृष्टि भी हो सकती है। इसी तरह, 16 मार्च को बिहार में भी आंधी, बिजली और तूफानी हवाएं (40-50 किमी प्रति घंटा से लेकर 60 किमी प्रति घंटा तक) चलने की संभावना है, साथ ही ओलावृष्टि भी हो सकती है।
- 21 मार्च को उप-हिमालयी पश्चिमी बंगाल और सिक्किम में अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा होने की प्रबल संभावना है।

दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत:

- 15 से 19 मार्च के दौरान तेलंगाना में, 16 और 17 मार्च को रायलसीमा, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में, 17 और 18 मार्च को तटीय कर्नाटक में, 16 और 17 मार्च को केरल और माहे में, 15, 17, 18 और 19 मार्च को तमिलनाडु में, और 15 से 19 मार्च के दौरान आंतरिक कर्नाटक में गरज, बिजली और 30-40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है।

पश्चिमी भारत:

- 15 से 19 मार्च के दौरान इस क्षेत्र में छिटपुट हल्की/मध्यम बारिश, गरज, बिजली और 30-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना है, सिवाय गुजरात राज्य के जहां यह केवल 18 और 19 मार्च को होने की संभावना है।

अधिकतम तापमान का पूर्वानुमान:

- अगले दो दिनों के दौरान उत्तर-पश्चिम भारत में अधिकतम तापमान में 3-5 डिग्री सेल्सियस की गिरावट आने की संभावना है और उसके बाद के तीन दिनों में इसमें धीरे-धीरे 3-5 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि होगी।
- अगले 24 घंटों के दौरान मध्य भारत में अधिकतम तापमान में कोई खास बदलाव नहीं होने की संभावना है और उसके बाद के पांच दिनों में इसमें धीरे-धीरे 2-4 डिग्री सेल्सियस की गिरावट आएगी।
- अगले 24 घंटों के दौरान पूर्वी भारत में अधिकतम तापमान में कोई खास बदलाव नहीं होने की संभावना है और उसके बाद के चार दिनों में इसमें 3-5 डिग्री सेल्सियस की गिरावट आएगी।
- अगले तीन दिनों के दौरान गुजरात राज्य में अधिकतम तापमान में धीरे-धीरे 2-4 डिग्री सेल्सियस की गिरावट आने की संभावना है और उसके बाद के चार दिनों में इसमें कोई खास बदलाव नहीं होगा।
- अगले पांच दिनों के दौरान महाराष्ट्र में अधिकतम तापमान में धीरे-धीरे 2-4 डिग्री सेल्सियस की गिरावट आने की संभावना है और उसके बाद के दो दिनों में इसमें कोई खास बदलाव नहीं होगा।
- अगले तीन दिनों के दौरान दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत में अधिकतम तापमान में कोई खास बदलाव नहीं होने की संभावना है और उसके बाद के तीन दिनों में इसमें धीरे-धीरे 2-3 डिग्री सेल्सियस की गिरावट आएगी।

उष्ण लहर, गर्म और आर्द्र मौसम की चेतावनी:

- विदर्भ में 15 मार्च को उष्ण लहर चलने की संभावना है।

दिल्ली/एनसीआर में मौसम स्थिति एवं पूर्वानुमान: 15 से 18 मार्च 2026 (अनुलग्नक III देखें)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:

https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forecast_bulletin.php

जिला-वार चेतावनियों के लिए: <https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

मछुआरों की चेतावनी के लिए: <https://rsmcnewdelhi.imd.gov.in/fishermen-warning.php>

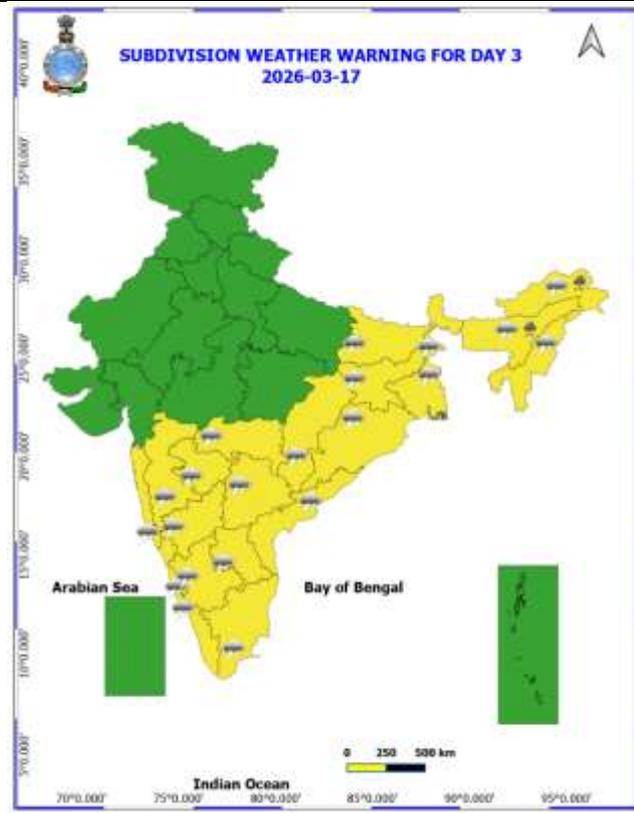
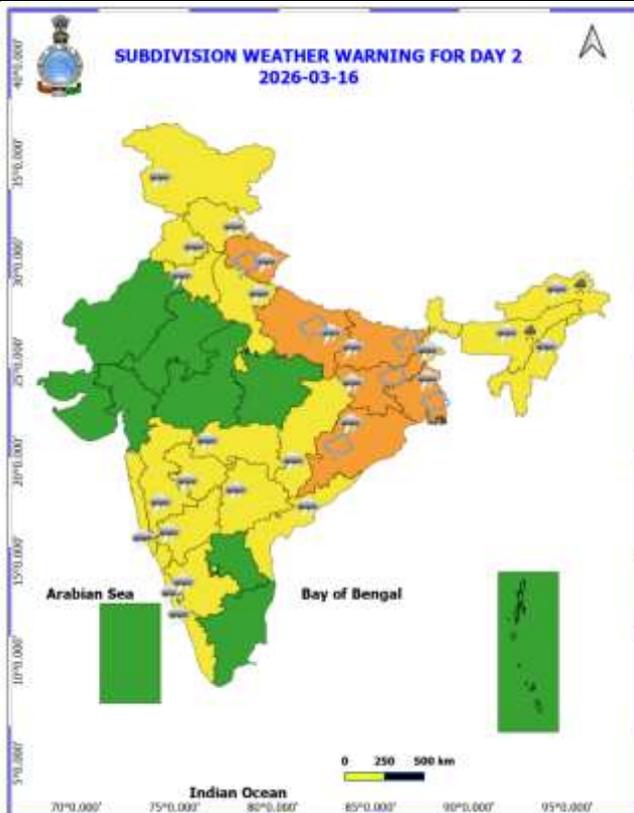
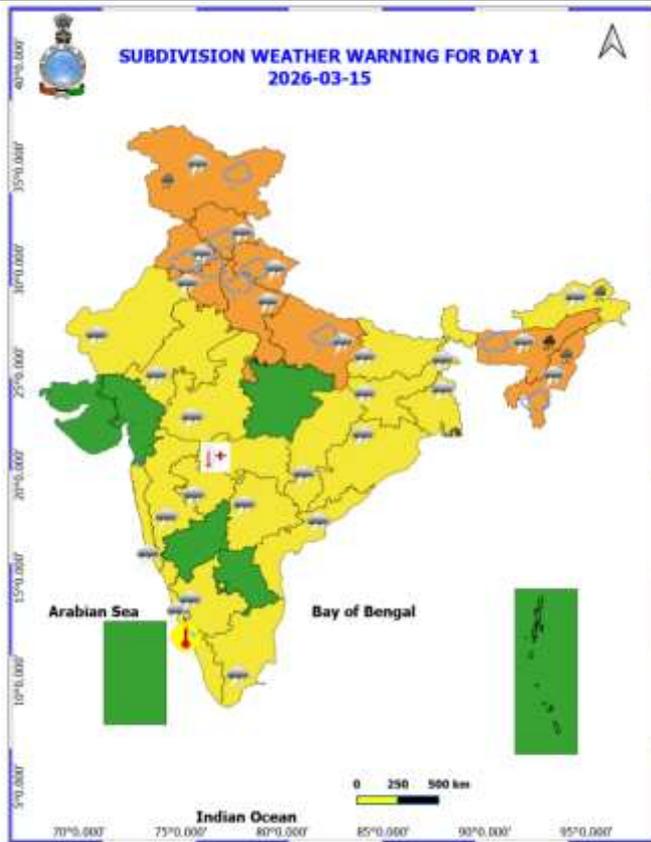
कल सुबह 8:30 बजे से आज सुबह 8:30 बजे तक दर्ज की गई महत्वपूर्ण वर्षा (सेमी में):

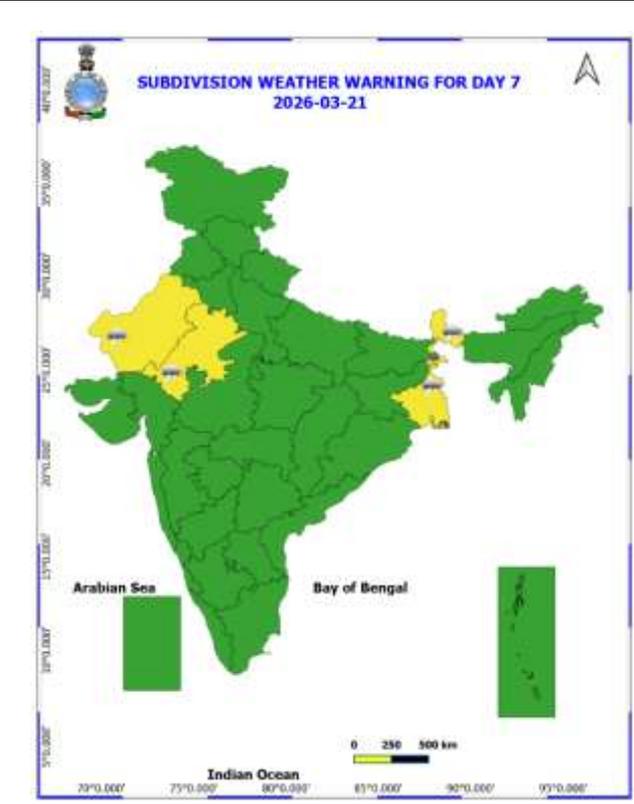
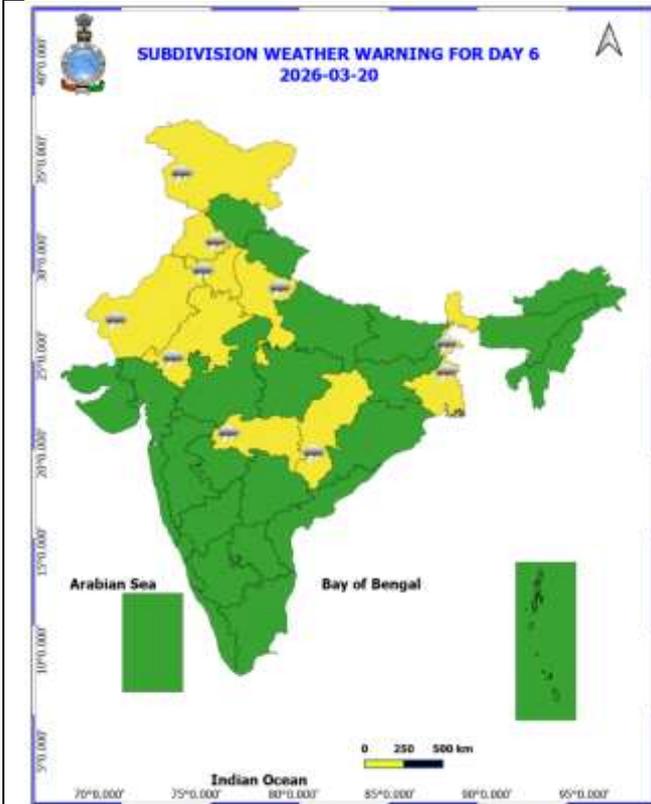
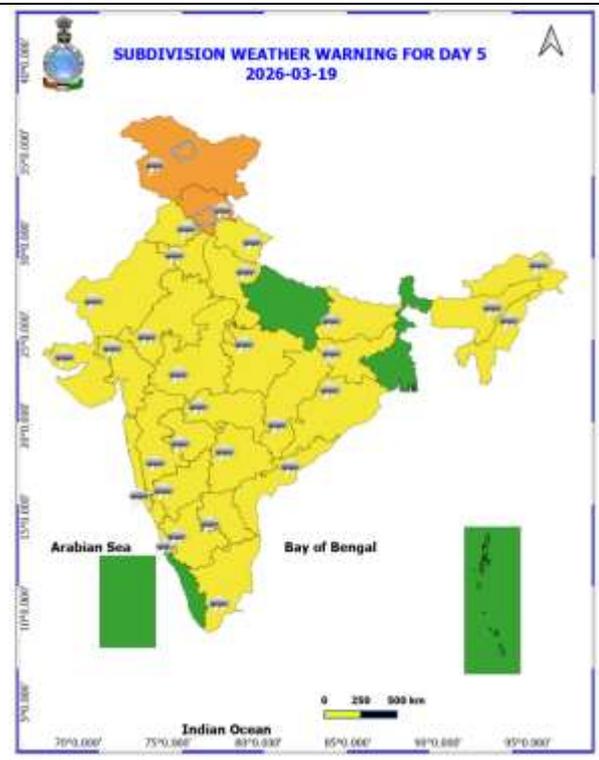
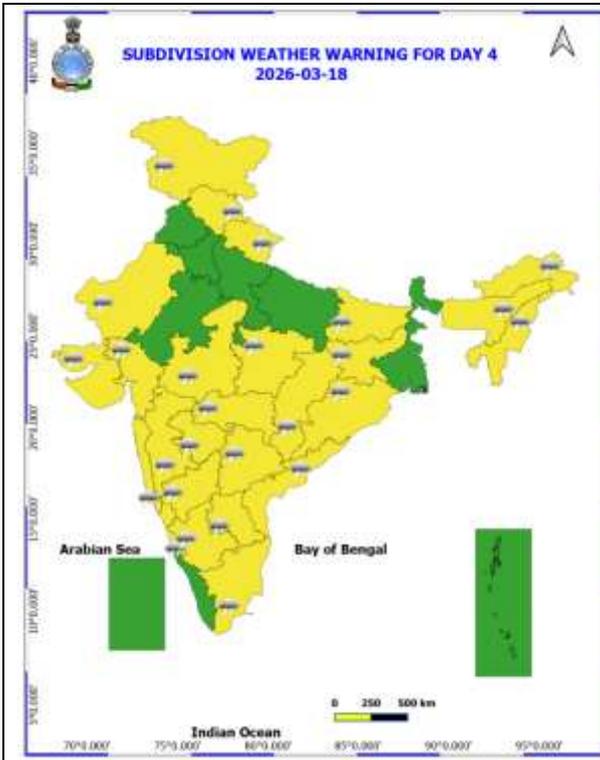
अरुणाचल प्रदेश: लोंगडिंग 9, पासीघाट एपी (जिला पूर्वी सियांग) 8;

असम और मेघालय: पंचग्राम 14, धेमाजी (जिला धेमाजी) 8; मानिकपुर एआरजी (जिला बोंगाईगांव) 7.

Table-1								
7 Days Rainfall Forecast								
S.No.	Subdivision	15- Mar	16- Mar	17- Mar	18- Mar	19- Mar	20- Mar	21- Mar
		Day 1	Day 2	Day 3	Day 4	Day 5	Day 6	Day 7
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	ISOL
2	ARUNACHAL PRADESH	W3	W3	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT
3	ASSAM & MEHGHALAYA	W3	W3	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT	FWS	FWS
6	GANGETIC WEST BENGAL	SCT	FWS	SCT	ISOL	ISOL	SCT	SCT
7	ODISHA	ISOL	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	SCT
8	JHARKHAND	ISOL	SCT	SCT	ISOL	SCT	SCT	SCT
9	BIHAR	ISOL	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
10	EAST UTTAR PRADESH	ISOL	SCT	DRY	DRY	DRY	SCT	SCT
11	WEST UTTAR PRADESH	SCT	ISOL	DRY	DRY	ISOL	SCT	SCT
12	UTTARAKHAND	FWS	FWS	ISOL	SCT	FWS	FWS	SCT
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT	ISOL
14	PUNJAB	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT	ISOL
15	HIMACHAL PRADESH	W3	FWS	ISOL	FWS	FWS	SCT	ISOL
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	FWS	FWS	SCT	FWS	FWS	FWS	SCT
17	WEST RAJASTHAN	DRY	DRY	DRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
18	EAST RAJASTHAN	ISOL	DRY	DRY	DRY	ISOL	ISOL	ISOL
19	WEST MADHYA PRADESH	ISOL	DRY	DRY	ISOL	ISOL	SCT	ISOL
20	EAST MADHYA PRADESH	DRY	DRY	DRY	ISOL	ISOL	SCT	ISOL
21	GUJRAT REGION	DRY	DRY	DRY	ISOL	ISOL	ISOL	DRY
22	SAURASHTRA & KUTCH	DRY	DRY	DRY	ISOL	ISOL	ISOL	DRY
23	KONKAN & GOA	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
24	MADHYA MAHARASHTRA	ISOL						
25	MARATHWADA	ISOL						
26	VIDARBHA	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT	ISOL	ISOL
27	CHHATTISGARH	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT	ISOL	ISOL
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	ISOL	ISOL	SCT	SCT	FWS	SCT	ISOL
29	TELANGANA	ISOL	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	ISOL
30	RAYALASEEMA	DRY	DRY	ISOL	SCT	FWS	SCT	ISOL
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	ISOL	ISOL	ISOL
32	COSTAL KARNATAKA	ISOL						
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	ISOL	DRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	DRY
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	ISOL						
35	KERALA AND MAHE	ISOL						
36	LAKSHADWEEP	DRY	DRY	DRY	SCT	DRY	DRY	DRY

- जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।





- नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।
- असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।
- जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है

<https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

15 से 18 मार्च 2026 के दौरान दिल्ली/NCR का मौसम पूर्वानुमान

पिछला मौसम:

पिछले 24 घंटों में दिल्ली में न्यूनतम तापमान में 2°C तक की वृद्धि और अधिकतम तापमान में 2-4°C की गिरावट दर्ज की गई है। अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 31-33°C और 17-19°C के बीच रहे। कुछ स्थानों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक (1.6°C से 3.0°C) से लेकर काफी अधिक (3.1°C से 5.0°C) रहा, जबकि दिल्ली के शेष हिस्सों में यह सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) रहा। कई स्थानों पर अधिकतम तापमान सामान्य से काफी अधिक (3.1°C से 5.0°C) रहा, जबकि दिल्ली के शेष हिस्सों में यह सामान्य से अधिक (1.6°C से 3.0°C) रहा। पिछले 24 घंटों में आसमान मुख्यतः साफ रहा और उत्तर-पूर्व दिशा से लगातार 10-20 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलती रहीं, जिनकी गति 30 किमी प्रति घंटे तक पहुंच गई। आमतौर पर आसमान में बादल छाए रहेंगे। आज सुबह उत्तर-पूर्व दिशा से इस क्षेत्र में हल्की से मध्यम बारिश के साथ गरज/बिजली और 30-40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना है, जिनकी गति 50 किमी प्रति घंटे तक पहुंच सकती है।

मौसम पूर्वानुमान:

15.03.2026: आसमान में आमतौर पर बादल छाए रहेंगे। दोपहर/शाम को हल्की से मध्यम बारिश के साथ गरज/बिजली और 30-40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलेंगी, जिनकी गति 50 किमी प्रति घंटे तक पहुंच सकती है। दिल्ली में अधिकतम तापमान 28°C से 30°C के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली के अधिकांश स्थानों पर अधिकतम तापमान सामान्य के आसपास रहेगा। दोपहर के समय पूर्वी दिशा से हवा चलने की संभावना है, जिसकी गति 25 किमी प्रति घंटे तक पहुंच सकती है। शाम और रात के दौरान हवा की गति धीरे-धीरे कम होकर दक्षिण-पूर्व दिशा से 20 किमी प्रति घंटे से कम हो जाएगी।

16.03.2026: आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। दिन के समय 20-30 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलेंगी। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 31°C से 33°C और 14°C से 16°C के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली में अधिकांश स्थानों पर न्यूनतम तापमान सामान्य के आसपास रहेगा और कुछ स्थानों पर सामान्य से काफी अधिक (5.0°C या उससे अधिक) रहेगा। वहीं, अधिकतम तापमान भी अधिकांश स्थानों पर सामान्य से अधिक (1.5°C या 3.0°C) रहेगा और कुछ स्थानों पर सामान्य से काफी अधिक (3.1°C से 5.0°C) रहेगा। सतही हवा मुख्य रूप से दक्षिण-पूर्व दिशा से चलेगी और सुबह के समय इसकी गति 15 किमी प्रति घंटा तक पहुंच सकती है। दोपहर के समय हवा की गति उत्तर-पश्चिम दिशा से बढ़कर 25 किमी प्रति घंटा तक हो जाएगी। शाम और रात के समय हवा की गति धीरे-धीरे कम होकर उत्तर-पश्चिम दिशा से 15 किमी प्रति घंटा से कम हो जाएगी।

17.03.2026: आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। दिन के समय 15-25 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलेंगी। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 31°C से 33°C और 15°C से 17°C के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली के अधिकांश स्थानों पर न्यूनतम तापमान सामान्य के आसपास रहेगा और अधिकतम तापमान भी सामान्य के आसपास रहेगा। सुबह के समय पूर्वी दिशा से हवा चलने की संभावना है, जिसकी गति 20 किमी प्रति घंटे तक पहुंच सकती है। दोपहर में हवा की गति घटकर 15 किमी प्रति घंटे तक हो जाएगी। शाम और रात के दौरान हवा की गति धीरे-धीरे कम होकर 10 किमी प्रति घंटे से भी कम हो जाएगी।

18.03.2026: आसमान में आमतौर पर बादल छाए रहेंगे। शाम/रात के समय हल्की बारिश/बूँदाबांदी के साथ गरज/बिजली और 20-30 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलेंगी, जिनकी गति 40 किमी प्रति घंटे तक पहुंच सकती है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 32°C से 34°C और 17°C से 19°C के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली के अधिकांश स्थानों पर न्यूनतम तापमान सामान्य के आसपास रहेगा। सतही हवा मुख्य रूप से दक्षिण-पूर्व दिशा से चलेगी और सुबह के समय इसकी गति 10 किमी प्रति घंटा तक पहुंच सकती है। दोपहर में यह गति उत्तर-पश्चिम दिशा से बढ़कर 15 किमी प्रति घंटा तक हो जाएगी। शाम और रात के दौरान उत्तर-पूर्व दिशा से चलने वाली हवा की गति धीरे-धीरे बढ़कर 20 किमी प्रति घंटा तक पहुंच जाएगी।

बिजली/तेज और तेज हवाओं और ओलावृष्टि के साथ अलग-अलग गरज के कारण प्रभाव की उम्मीद और कार्रवाई का सुझाव दिया गया

- ❖ 15 और 19 मार्च को जम्मू-कश्मीर-लद्दाख और हिमाचल प्रदेश में छिटपुट ओलावृष्टि की संभावना है; 15 और 16 मार्च को उत्तराखंड में; 15 मार्च को पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली, पश्चिमी उत्तर प्रदेश में; 15 और 16 मार्च को पूर्वी उत्तर प्रदेश में; 16 मार्च को गंगा के मैदानी पश्चिमी बंगाल, बिहार, झारखंड और ओडिशा में ओलावृष्टि की संभावना है।
- ❖ 15 और 16 मार्च को उत्तराखंड में; 16 मार्च को गंगा के मैदानी पश्चिमी बंगाल, झारखंड और ओडिशा में ओलावृष्टि के साथ आंधी (हवा की गति 50-60 किमी प्रति घंटा और झोंके 70 किमी प्रति घंटा तक) की संभावना है।
- ❖ 16, 18 और 20 मार्च को जम्मू-कश्मीर-लद्दाख में; 16 और 18 मार्च को हिमाचल प्रदेश में; 18 और 19 मार्च को उत्तराखंड में आंधी, बिजली और तेज हवाएं (40-50 किमी प्रति घंटा और झोंके 60 किमी प्रति घंटा तक) चलने की संभावना है। हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली और पंजाब में 19 तारीख को; पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 19 तारीख को; पूर्वी उत्तर प्रदेश में 16 तारीख को; पश्चिमी राजस्थान में 15 मार्च को; हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली और पंजाब में 16 और 20 तारीख को; पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 16 और 20 तारीख को; पश्चिमी राजस्थान में 18 से 21 तारीख के दौरान; पूर्वी राजस्थान में 15, 19 और 21 तारीख के दौरान; अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय में अगले 5-6 दिनों के दौरान और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 15 तारीख को; अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय में 15 से 16 तारीख के दौरान और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 15 से 17 तारीख के दौरान; पश्चिमी मध्य प्रदेश में 15, 18 और 19 तारीख को; पूर्वी मध्य प्रदेश में 18 और 19 तारीख को; विदर्भ में 16 से 20 तारीख के दौरान और छत्तीसगढ़ में 15 से 20 तारीख के दौरान। झारखंड में 15 से 19 मार्च के दौरान, गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल में 15 से 17 और 20, 21 मार्च के दौरान, बिहार में 15 से 19 मार्च के दौरान और ओडिशा में 15 से 19 मार्च के दौरान बारिश होने की संभावना है; पश्चिम भारत में 15 से 19 मार्च के दौरान बारिश होने की संभावना है, सिवाय गुजरात राज्य के जहां यह केवल 18 और 19 मार्च के दौरान होने की संभावना है।

अपेक्षित प्रभाव:

- पेड़ों की शाखाओं का टूटना, बड़े-बड़े पेड़ों का उखड़ना। पेड़ों से बड़ी-बड़ी सूखी टहनियाँ उड़ना। खड़ी फसलों को नुकसान।
- केले और पपीते के पेड़ों को मामूली से लेकर बहुत बड़ा नुकसान।
- शाखाओं के टूटने के कारण बिजली और संचार लाइनों को मामूली से लेकर बहुत बड़ा नुकसान।
- तेज़ हवा/ओलावृष्टि से बागान, बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान हो सकता है।
- ओलावृष्टि से खुले स्थानों पर लोगों और मवेशियों को चोट लग सकती है।
- तेज़ हवाओं के कारण कमज़ोर संरचनाओं को आंशिक नुकसान।
- कच्चे घरों/दीवारों और झोपड़ियों को मामूली नुकसान।
- ढीली वस्तुएँ उड़ सकती हैं।

सुझाई गई कार्रवाई:

- लोगों को सलाह दी जाती है कि वे खराब होती परिस्थितियों के लिए मौसम पर नज़र रखें और तदनुसार सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए तैयार रहें।
- घर के अंदर रहें, खिड़कियाँ और दरवाज़े बंद रखें और यदि संभव हो तो यात्रा करने से बचें।
- सुरक्षित आश्रय लें; पेड़ों के नीचे शरण न लें।
- कंक्रीट के फर्श पर न लेटें और कंक्रीट की दीवारों के सहारे न झुकें।
- बिजली/इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को अनप्लग करें।
- तुरंत जल निकायों से बाहर निकलें।
- बिजली का संचालन करने वाली सभी वस्तुओं से दूर रहें।

उष्ण लहर की स्थिति के कारण संभावित प्रभाव और सुझाए गए उपाय

- विदर्भ में 15 मार्च को उष्ण लहर चलने की संभावना है।

पीला चेतावनी वाले क्षेत्र:

- सामान्य जनता के लिए मध्यम तापमान और गर्मी सहनीय है, लेकिन शिशुओं, बुजुर्गों और गंभीर बीमारियों से ग्रसित लोगों जैसे संवेदनशील व्यक्तियों के लिए मध्यम स्तर की स्वास्थ्य संबंधी चिंताएं हो सकती हैं।
- धूप में निकलने से बचें।
- हल्के, हल्के रंग के, ढीले सूती कपड़े पहनें।
- अपना सिर ढकें, कपड़े, टोपी या छाते का उपयोग करें।

भारी/बहुत भारी बारिश के कारण असर और सुझाए गए उपाय:

- ❖ 15 मार्च को जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फरबाद में छिटपुट भारी वर्षा/बर्फबारी की प्रबल संभावना है।
- ❖ 21 मार्च को उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में छिटपुट भारी वर्षा की प्रबल संभावना है।
- ❖ 15 से 17 मार्च के दौरान अरुणाचल प्रदेश में छिटपुट भारी वर्षा/बर्फबारी की प्रबल संभावना है।
- ❖ 15 से 17 मार्च के दौरान असम और मेघालय में छिटपुट भारी वर्षा की प्रबल संभावना है, जिसमें 15 मार्च को असम में और 15 मार्च को नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में भारी से बहुत भारी वर्षा शामिल है।

असर की उम्मीद

- ऊपर बताए गए इलाके के शहरी इलाकों में, खासकर सड़कों पर पानी भर जाना, निचले इलाकों में पानी भर जाना और अंडरपास बंद हो जाना।
- भारी बारिश के कारण कभी-कभी विजिबिलिटी कम हो सकती है।
- सड़कों पर पानी भर जाने से बड़े शहरों में ट्रैफिक में रुकावट आ सकती है, जिससे यात्रा का समय बढ़ सकता है।
- कच्ची सड़कों को थोड़ा नुकसान हो सकता है।
- कमजोर स्ट्रक्चर को नुकसान होने की संभावना है।
- लोकल लैंडस्लाइड/मडस्लाइड
- कुछ इलाकों में पानी भरने से बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान।
- इससे कुछ नदी कैचमेंट में बाढ़ आ सकती है (नदी में बाढ़ के लिए कृपया CWC का वेब पेज देखें)।

सुझाए गए उपाय

- अपनी डेस्टिनेशन के लिए निकलने से पहले अपने रास्ते पर ट्रैफिक जाम चेक कर लें।
- इस बारे में जारी की गई किसी भी ट्रैफिक एडवाइज़री को फॉलो करें।
- उन इलाकों में जाने से बचें जहां अक्सर पानी भरने की समस्या होती है।
- कमजोर स्ट्रक्चर में रहने से बचें।

ओलावृष्टि के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- जम्मू और कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, असम, मेघालय, मणिपुर और मिजोरम में फलों के बगीचों और सब्जियों के पौधों को क्षति से बचाने के लिए हेल नेट या हेल कैप का उपयोग करें।

भारी वर्षा के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- अरुणाचल प्रदेश में, गोभी, मटर, सरसों और देर से पकने वाली धान की किस्मों की कटाई तथा आलू की खुदाई स्थगित। कटी हुई उपज को सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित करें। खड़ी फसलों के खेतों से अतिरिक्त वर्षा का पानी निकालें। मिर्च, टमाटर और अन्य सब्जियों की नर्सरी को बारिश से पौधों की सुरक्षा के लिए ढके हुए शेल्टर या पॉलीहाउस में तैयार करें। खुली नर्सरी को बारिश से पौधों की सुरक्षा हेतु, तुरंत पॉलीथीन शीट या बोरी से ढक दें।
- असम में, खड़ी फसलों के खेतों से अतिरिक्त वर्षा का जल निकाल दें।
- मेघालय में, ग्रीष्मकालीन सब्जियों की फसलों में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें। बागवानी फसलों को सहारा दें और छोटे पौधों को भारी बारिश से बचाएं। मटर की तोड़ी गई फलियों को तुरंत सुरक्षित स्थान पर रखें।
- मणिपुर में, साफ मौसम के दौरान परिपक्व रेपसीड, सरसों, मसूर की कटाई करें। बारिश के कारण फसल के खेत में होने वाले जल जमाव से बचाव करें।
- उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल में, खड़ी फसलों के खेतों से अतिरिक्त वर्षा का जल निकाल दें। कद्दूवर्गीय पौधों और डल्ले खोरसानी की नर्सरी को पॉलीथीन शीट या एगो-नेट से ढक दें ताकि पौधों को प्रतिकूल मौसम से बचाया जा सके।
- कश्मीर क्षेत्र में, खड़ी फसल वाले खेतों से अतिरिक्त वर्षा जल को बाहर निकालें।

तूफान / तेज़ हवाओं के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- बागवानी फसलों, सब्जियों और फलों के नए पौधों व फल देने वाले पौधों को तेज हवाओं के कारण गिरने से बचाने के लिए सहारा प्रदान करें।

उच्च तापमान के संभावित प्रभाव

- वाष्पोत्सर्जन में वृद्धि के कारण मृदा में नमी की कमी तथा फसलों की वृद्धि, बीज विकास और उपज पर प्रतिकूल प्रभाव।
- फसलों की त्वरित परिपक्वता, दानों के भराव की अवधि में कमी और सिकुड़े हुए दाने का बनना, परिणामस्वरूप गेहूं की संभावित उपज में कमी।
- अनाज वाली और अन्य रबी फसलों (जैसे मक्का, ज्वार आदि) में वानस्पतिक से प्रजनन अवस्था के समय नमी तनाव में वृद्धि एवं दानों के भराव में संभावित कमी।
- तिलहनी तथा दलहनी फसलों में फूल झड़ना, फलियों के बनने में विकृति, समय-पूर्व फलियों का सूखना तथा बीज के आकार और वजन में कमी।
- कंद वाली फसलों जैसे आलू इत्यादि में कंद का फुलाव कम होना और पौधे की वृद्धावस्था का शीघ्र आगमन।
- सब्जी वाली फसलों जैसे टमाटर, शिमला मिर्च, पत्ता गोभी और फूलगोभी में फूल झड़ना, फलों का धूप से जलना तथा बिक्री योग्य उपज में कमी।
- बागवानी फसलों (जैसे आम, सेब, संतरा आदि) में फूलों का झड़ना, फल सेटिंग में कमी, समय से पहले फलों का गिर जाना, फलों का धूप से जलना, फलों के आकार में गिरावट, असमान रूप से पकना, स्पंजी टिशू जैसी विकृतियाँ (विशेषकर आम में) तथा कुल उपज और गुणवत्ता में कमी।
- फसलों की जल आवश्यकता में वृद्धि तथा सीमित सिंचाई की स्थिति में जल तनाव का अधिक जोखिम।
- पशुधन तथा मुर्गीपालन में चारे का सेवन में कमी, दूध और अंडा उत्पादन में कमी के साथ-साथ जल आवश्यकता में वृद्धि।

उच्च तापमान के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- **महाराष्ट्र** के, कोंकण क्षेत्र में, सपोटा, मिर्च, बैंगन और टमाटर को शाम या सुबह के समय हल्की और बार-बार सिंचाई प्रदान करें। आम में समय से पहले फल गिरने और धूप से झुलसने से बचाने के लिए नियमित अंतराल पर सिंचाई करें तथा फलों को धूप से झुलसने (सन स्कॉल्ड) से बचाने के लिए कटाई से पहले अखबार के थैलों में पैक (पूर्व-कटाई बैगिंग) करें। **विदर्भ** क्षेत्र में, देर से बोई गई रबी फसलों जैसे गेहूं, मूंगफली, तिल, कुसुम, ज्वार, बागानों और सब्जियों में आवश्यकतानुसार सिंचाई करें तथा वाष्पीकरण से होने वाले नुकसान को कम करने के लिए पुआल मलच का उपयोग करें।
- **मध्य प्रदेश** में, उच्च तापमान के प्रभाव को कम करने के लिए गेहूं, चना और गन्ने की फसलों में हल्की सिंचाई करें। पकी हुई सरसों की कटाई सुबह या शाम के समय पूरी करें और फसल को सुरक्षित स्थानों पर रखें।
- **छत्तीसगढ़** में, गेहूं, चना, मसूर और सरसों जैसी खड़ी फसलों में हल्की सिंचाई नियमित अंतराल पर करते रहें।
- **राजस्थान** में, जीरा, इसबगोल, सरसों तथा चने में सुबह या शाम के समय सुरक्षात्मक सिंचाई प्रदान करें ताकि ताप तनाव कम हो।
- **उत्तर प्रदेश** में, गेहूं (दाना भरने की अवस्था), सरसों और चने की फसलों में गर्मी के प्रतिकूल प्रभावों को कम करने के लिए सुबह या शाम के समय हल्की सिंचाई करें।
- **पंजाब** में, सरसों, गोभी सरसों और आलू में सिंचाई द्वारा मृदा में आवश्यक नमी बनाए रखें।
- **हरियाणा** में, सरसों और चने में फूल आने और फली बनने के समय हल्की सिंचाई करें। गेहूं में दाना भरने की अवस्था के दौरान मृदा में पर्याप्त नमी बनाए रखें।
- **हिमाचल प्रदेश** में, अत्यधिक गर्मी के कारण गेहूं की फसल की रक्षा के लिए सुबह या शाम के समय सिंचाई करें।
- **उत्तराखंड** में, गेहूं, चना और मसूर तथा फ्रेंच बीन्स की सिंचाई करें।
- **बिहार** में, मक्का और गेहूं की फसलों को उनके विकास के संवेदनशील चरणों में सिंचाई प्रदान करें।
- **झारखंड** में, गेहूं में दाना भरने के चरण में सिंचाई प्रदान करें।
- **ओड़िशा** में, बोरो धान, मूंग, उड़द, सब्जियाँ और बागवानी फसलों में सुबह जल्दी या देर शाम हल्की और नियमित अंतराल पर सिंचाई करें।
- खेतों में आवश्यक नमी बनाए रखने हेतु मल्लिचंग, मेंडबंदी करें तथा अनावश्यक इंटरकल्टीवेशन से बचें।

पशुपालन / कुक्कुट पालन

- भारी वर्षा / ओलावृष्टि के दौरान पशुओं को शेड के अंदर रखें और उन्हें संतुलित आहार दें। चारे और पशु आहार को खराब होने से बचाने के लिए सुरक्षित स्थान पर रखें।
- पशुओं को स्वच्छ, साफ-सुथरा एवं पर्याप्त मात्रा में पीने का पानी उपलब्ध कराएं और छाया का इंतज़ाम करें।
- उच्च तापमान के प्रभाव को कम करने के लिए पोल्ट्री शेड की छत को घास से ढक दें।

किंवदंतियाँ और संक्षिप्त रूप:

भारी बारिश: 64.5-115.5mm; बहुत भारी बारिश: 115.6-204.4mm; अत्यधिक भारी बारिश: >204.4mm.

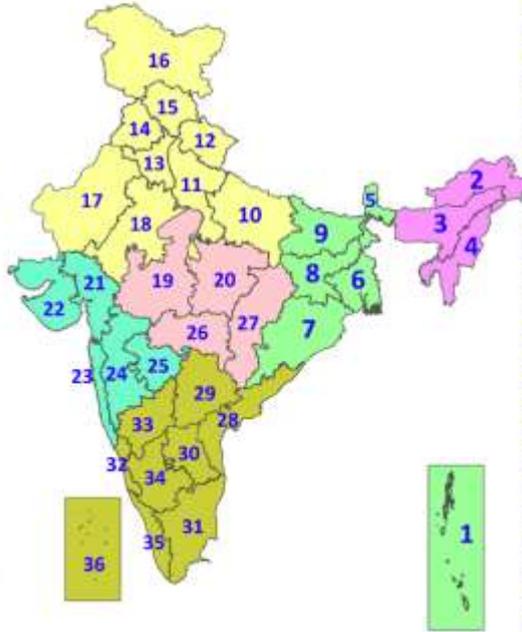
Obsy: वेधशाला; स्वचालित मौसम स्टेशन; ARG: स्वचालित वर्षा गेज; dist: जिला; NH: राष्ट्रीय राजमार्ग; KVK: कृषि विज्ञान केंद्र; DVC: दामोदर घाटी निगम; PTO: अंशकालिक कार्यालय, Aero: हवाई अड्डा, IAF: भारतीय वायु सेना।

मौसम विज्ञान उप-मंडलों का क्षेत्रवार वर्गीकरण:

- उत्तर-पश्चिम भारत: पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र (जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड); पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली; पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान और पूर्वी राजस्थान।
- मध्य भारत: पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़।
- पूर्वी भारत: बिहार, झारखंड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; गंगा पश्चिम बंगाल, ओडिशा और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह।
- पूर्वोत्तर भारत: अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा।
- पश्चिमी भारत: गुजरात क्षेत्र, सौराष्ट्र और कच्छ, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठवाड़ा।
- दक्षिण भारत: तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, रायलसीमा, तटीय कर्नाटक, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक, दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल और लक्षद्वीप।

LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसेमा
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आंतरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आंतरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप



1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)

- | | | |
|----------------------|----------------------|--------------|
| Fog | Heavy Snow | Cold Wave |
| Heavy Rain | Dust Storm | Cold Day |
| Very Heavy Rain | Heat Wave | Ground Frost |
| Extremely Heavy Rain | Warm Night | |
| Thunder & Lightning | Hot Day | |
| Hailstorm | Hot & Humid | |
| Dust Raising Winds | Strong Surface Winds | |

COLOUR CODED WARNING

- No Warning (No Action)
- Watch (Be Aware)
- Alert (Be Prepared To Take Action)
- Warning (Take Action)

Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

DEFINITION/CRITERIA

Rain/ Snow *

Heavy: 64.5 to 115.5 mm/cm *
Very Heavy: 115.6 to 204.4 mm/cm*
Extremely Heavy: > 204.4 mm/cm *

Heat Wave

When maximum temperature of a station reaches $\geq 40^{\circ}\text{C}$ for plains and $\geq 30^{\circ}\text{C}$ for hilly regions

(a) Based on Departure from normal

Heat Wave: Maximum Temperature Departure from normal 4.5°C to 6.4°C .

Severe Heat Wave: Maximum Temperature Departure from normal $\geq 6.5^{\circ}\text{C}$

(b). Based on Actual maximum temperature

Heat Wave: When actual maximum temperature $\geq 45^{\circ}\text{C}$.

Severe Heat Wave: When actual maximum temperature $\geq 47^{\circ}\text{C}$

(c). Criteria for heat wave for coastal stations

When maximum temperature departure is $> 4.5^{\circ}\text{C}$ from normal. Heat Wave may be described provided maximum temperature $\geq 37^{\circ}\text{C}$

Warm Night

When maximum temperature remains 40°C

Warm Night: When minimum temperature departure 4.5°C to 6.4°C .

Severe Warm Night: When minimum temperature departure $> 6.4^{\circ}\text{C}$.

Cold Wave

When minimum temperature of a station $\leq 10^{\circ}\text{C}$ for plains and $\leq 0^{\circ}\text{C}$ for hilly regions.

(a). Based on departure

Cold Wave: Minimum Temperature Departure from normal -4.5°C to -6.4°C .

Severe Cold Wave: Minimum Temperature Departure from normal $\leq -6.5^{\circ}\text{C}$

(b) Based on actual Minimum Temperature (for Plains only)

Cold Wave : When Minimum Temperature is $\leq 4.0^{\circ}\text{C}$

Severe Cold Wave: When Minimum Temperature is $\leq 2.0^{\circ}\text{C}$

(c) For Coastal Stations

When Minimum Temperature departure is $\leq -4.5^{\circ}\text{C}$ & actual Minimum Temperature is $\leq 15^{\circ}\text{C}$

Cold Day

When minimum temperature of a station $\leq 10^{\circ}\text{C}$ for plains and $\leq 0^{\circ}\text{C}$ for hilly regions

Based on departure

Cold Day: Maximum Temperature Departure from normal -4.5°C to -6.4°C .

Severe Cold Day: Maximum Temperature Departure from normal $\leq -6.5^{\circ}\text{C}$

Fog

Phenomenon of small droplets suspended in air and the horizontal visibility $< 1\text{km}$

Moderate Fog: When the visibility between 500-200 metres

Dense Fog: when the visibility between 50- 200 metres

Very Dense Fog: when the visibility < 50 metres

Thunderstorm

Sudden electrical discharges manifested by a flash of light (Lightning) and a sharp rumbling sound (thunder)

Dust/Sand Storm

An ensemble of particles of dust or sand energetically lifted to great heights by a strong and turbulent wind.

Frost

Ice deposits on ground

Air temperature $\leq 4^{\circ}\text{C}$ (over Plains)

Squall

A strong wind that rises suddenly, lasts for atleast 1 minute.

Moderate: Wind speed 52-61 kmph

Severe: Wind speed 62-87 kmph

Very Severe: Wind speed > 87 kmph

Sea State

Effect of various waves in the sea over specific area

Rough to very rough: Wind speed 41-62 kmph (22-33 knots) & Wave height 2.5-6 metre

High to very high: Wind speed 63-117 kmph (34-63 knots) & Wave height 6-14 metre

Phenomenal: Wind speed > 117 kmph (> 63 knots) & Wave height > 14 metre

Cyclone

Cyclonic Storm: Wind speed 62-87 kmph (34-47 knots)

Severe Cyclonic Storm: Wind speed 88-117 kmph (48-63 knots)

Very Severe Cyclonic Storm: Wind speed 118-165 kmph (64 - 89 knots)

Extremely Severe Cyclonic Storm: Wind speed 166-220 kmph (90 -119 knots)

Super Cyclone Storm: Wind speed > 220 kmph (> 119 knots)

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit <https://mausam.imd.gov.in> or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)